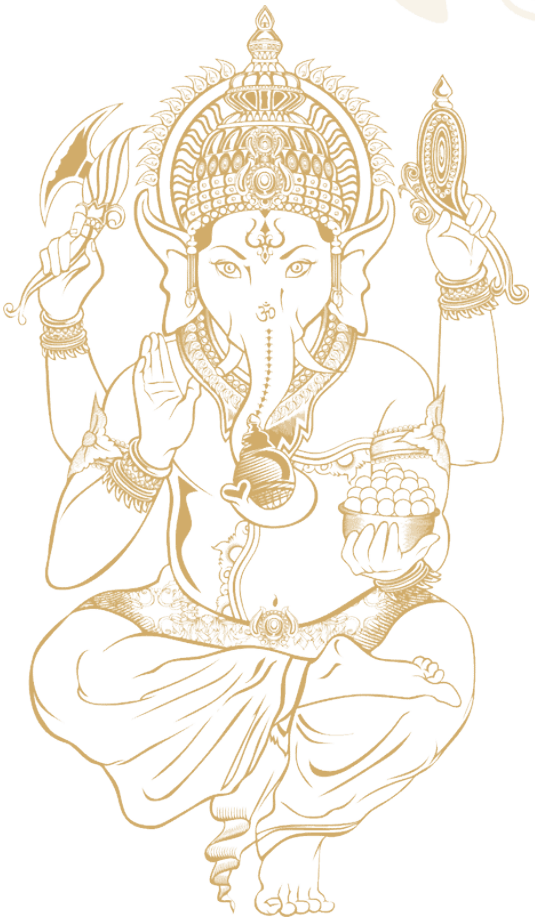

# Mr.

03 Feb 2026

05:12 PM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 121155103

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **03/02/2026** |
| दिन | मंगलवार |
| **जन्म समय** | **17:12:00 घंटे** |
| इष्ट | 25:59:09 घटी |
| **स्थान** | **Katni** |
| राज्य | Madhya Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 23:47:00 उत्तर |
| रेखांश | 80:29:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:08:04 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 17:03:56 घंटे |
| वेलान्तर | -00:13:47 घंटे |
| साम्पातिक काल | 01:58:36 घंटे |
| सूर्योदय | 06:48:20 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:55:41 घंटे |
| दिनमान | 11:07:21 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 20:25:28 मकर |
| लग्न के अंश | 11:40:57 कर्क |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कर्क - चन्द्र |
| **राशि-स्वामी** | **सिंह - सूर्य** |
| **नक्षत्र-चरण** | **मघा - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | केतु |
| योग | शोभन |
| करण | गर |
| गण | राक्षस |
| योनि | मूषक |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | वनचर |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | मे-मेहर |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कुम्भ |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कर्क | 11:40:57 | 314:56:17 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | चंद्र | --- |
| सूर्य | | | मक | 20:25:28 | 01:00:50 | श्रवण | 4 | 22 | शनि | चंद्र | केतु | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | सिंह | 10:31:31 | 13:34:57 | मघा | 4 | 10 | सूर्य | केतु | शनि | मित्र राशि |
| मंगल | | अ | मक | 14:27:08 | 00:47:01 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | गुरु | उच्च राशि |
| बुध | | अ | मक | 29:39:20 | 01:46:24 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | शनि | सम राशि |
| गुरु | व | | मिथु | 22:51:58 | 00:06:22 | पुनर्वसु | 1 | 7 | बुध | गुरु | शनि | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मक | 27:04:29 | 01:15:15 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | गुरु | मित्र राशि |
| शनि | | | मीन | 04:39:54 | 00:06:03 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | सम राशि |
| राहु | व | | कुंभ | 14:48:36 | 00:00:22 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | मित्र राशि |
| केतु | व | | सिंह | 14:48:36 | 00:00:22 | पू०फाल्गुनी | 1 | 11 | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृष | 03:14:11 | 00:00:02 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | शनि | --- |
| नेप | | | मीन | 05:59:10 | 00:01:43 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | बुध | --- |
| प्लूटो | | | मक | 09:33:07 | 00:01:54 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | मेष | 07:35:46 | -- | अश्विनी | -- | 1 | मंगल | केतु | गुरु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

## लग्न-चलित

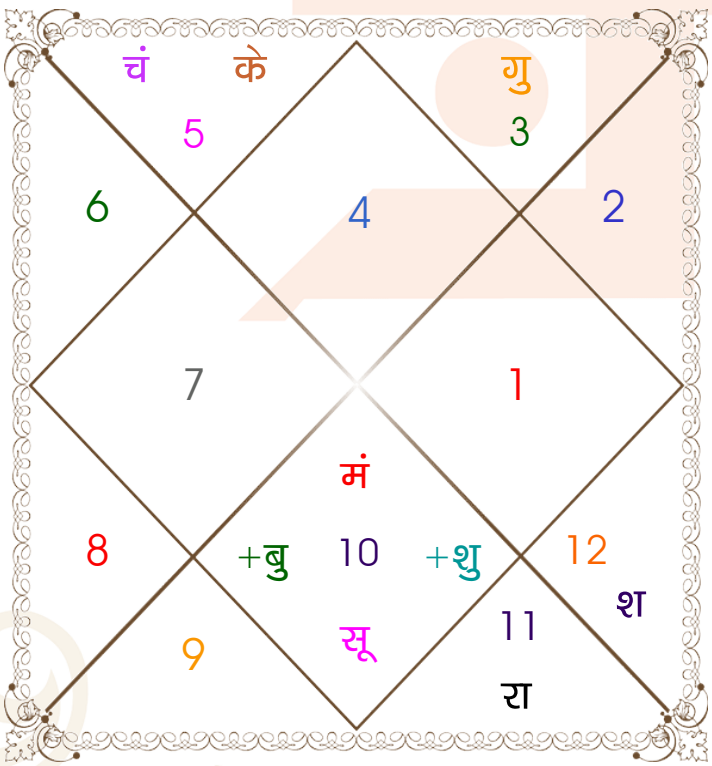


## चन्द्र कुंडली

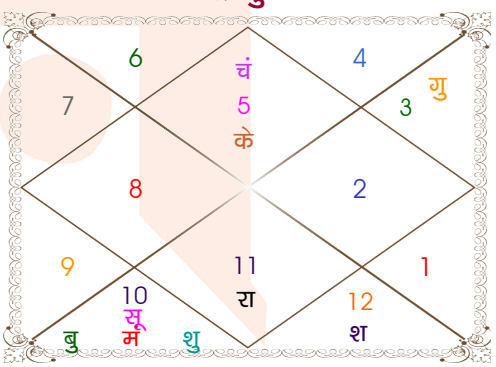


## नवमांश कुंडली

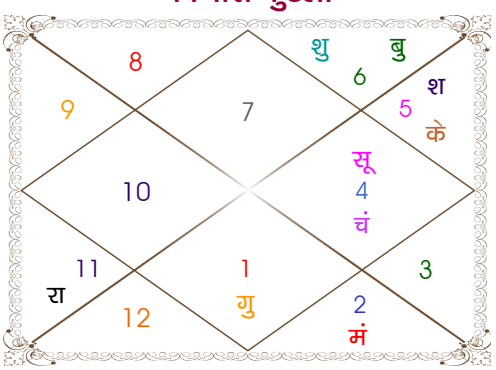

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 21 दिन

| केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/02/2026 | | 27/07/2027 | | 27/07/2047 | | 26/07/2053 | | 27/07/2063 | |
| 27/07/2027 | | 27/07/2047 | | 26/07/2053 | | 27/07/2063 | | 26/07/2070 | |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 25/11/2030 | सूर्य | 13/11/2047 | चंद्र | 27/05/2054 | मंगल | 23/12/2063 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 25/11/2031 | चंद्र | 14/05/2048 | मंगल | 26/12/2054 | राहु | 09/01/2065 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 26/07/2033 | मंगल | 19/09/2048 | राहु | 26/06/2056 | गुरु | 16/12/2065 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 25/09/2034 | राहु | 13/08/2049 | गुरु | 26/10/2057 | शनि | 25/01/2067 |
| | 00/00/0000 | राहु | 25/09/2037 | गुरु | 02/06/2050 | शनि | 27/05/2059 | बुध | 22/01/2068 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 26/05/2040 | शनि | 15/05/2051 | बुध | 25/10/2060 | केतु | 19/06/2068 |
| | 03/02/2026 | शनि | 27/07/2043 | बुध | 20/03/2052 | केतु | 26/05/2061 | शुक्र | 20/08/2069 |
| शनि | 29/07/2026 | बुध | 27/05/2046 | केतु | 26/07/2052 | शुक्र | 25/01/2063 | सूर्य | 25/12/2069 |
| बुध | 27/07/2027 | केतु | 27/07/2047 | शुक्र | 26/07/2053 | सूर्य | 27/07/2063 | चंद्र | 26/07/2070 |

| राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 26/07/2070 | | 26/07/2088 | | 27/07/2104 | | 28/07/2123 | | 27/07/2140 | |
| 26/07/2088 | | 27/07/2104 | | 28/07/2123 | | 27/07/2140 | | 00/00/0000 | |
| राहु | 08/04/2073 | गुरु | 13/09/2090 | शनि | 31/07/2107 | बुध | 23/12/2125 | केतु | 23/12/2140 |
| गुरु | 01/09/2075 | शनि | 26/03/2093 | बुध | 09/04/2110 | केतु | 21/12/2126 | शुक्र | 22/02/2142 |
| शनि | 08/07/2078 | बुध | 02/07/2095 | केतु | 19/05/2111 | शुक्र | 20/10/2129 | सूर्य | 30/06/2142 |
| बुध | 25/01/2081 | केतु | 07/06/2096 | शुक्र | 18/07/2114 | सूर्य | 27/08/2130 | चंद्र | 29/01/2143 |
| केतु | 12/02/2082 | शुक्र | 06/02/2099 | सूर्य | 30/06/2115 | चंद्र | 26/01/2132 | मंगल | 27/06/2143 |
| शुक्र | 12/02/2085 | सूर्य | 25/11/2099 | चंद्र | 29/01/2117 | मंगल | 23/01/2133 | राहु | 15/07/2144 |
| सूर्य | 07/01/2086 | चंद्र | 27/03/2101 | मंगल | 09/03/2118 | राहु | 12/08/2135 | गुरु | 21/06/2145 |
| चंद्र | 08/07/2087 | मंगल | 03/03/2102 | राहु | 13/01/2121 | गुरु | 17/11/2137 | शनि | 04/02/2146 |
| मंगल | 26/07/2088 | राहु | 27/07/2104 | गुरु | 28/07/2123 | शनि | 27/07/2140 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।